

वश्वासियों की माताएं (2 का भाग 1): वश्वासियों की माताएँ कौन हैं?

रेटिंग:

विवरण: ?????????? ?? ?????? ?????? ?? ?????????? ?? ?????? ?????????? ?? ?????? ?????? ?????????? ?? ?? ?????????????
???????

श्रेणी: [पाठ](#) > [पैगंबर मुहम्मद](#) > [उनकी जीवनी](#)

द्वारा: Aisha Stacey (© 2015 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य

·यह समझना कहिम वश्वासियों की माता शब्द का उपयोग कैसे और क्यों करते हैं।

·पैगंबर मुहम्मद की चार पत्नियों के जीवन और समय के बारे में जानना और समझना।

अरबी शब्द

·?????? - यह संसार, परलोक के संसार के विपरीत।

·?????? - परलोक, मृत्यु के बाद का जीवन।

·?????? - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, किया या करने को कहा।

·सहाबा - "सहाबी" का बहुवचन, जिसका अर्थ है पैगंबर के साथी। एक सहाबी, जैसा कि आज आमतौर पर इस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह है जिसने पैगंबर मुहम्मद को देखा, उन पर वश्वास किया और एक मुसलमान के रूप में मर गया।

·???? - (बहुवचन - हदीसें) यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।

·???? - वह कतिब जिसमें कुरआन नहिती है।

वशिवासियों की माताएं कौन हैं? आपने उम्मत अल-मोमीनीन की अभिव्यक्ति सुनी होगी। इसका हदी अनुवाद 'वशिवासियों की माताएं' है और यह एक शीर्षक है जो पैगंबर मुहम्मद (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) की पत्नियों को संदर्भित करता है। वे इस दुनिया में पैगंबर की पत्नियां थीं और आखिरत में भी उनकी पत्नियां रहेंगी। इनमें से प्रत्येक महिला ने इस्लाम के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विभिन्न स्थितियों में उनका व्यवहार हमें आज लागू होने वाले कई सबक सिखाता है। वे हमें बताते हैं और सिखाते हैं कि अपने दैनिकी जीवन में सुन्नत का पालन कैसे करें। उन्होंने धार्मिक और सामाजिक जीवन दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और बहुतों को यह खुशखबरी मली कि उनका अंतिम गंतव्य स्वर्ग होगा। वे हमें सत्यनिष्ठा, वफादारी, ईमानदारी और शालीनता सिखाते हैं और वे इस्लाम में महिलाओं की अनूठी स्थिति का प्रदर्शन करते हैं।



अल्लाह कुरआन में पैगंबर मुहम्मद की पत्नियों को संदर्भित करता है और वह उन्हें वशिवासियों की माता कहता है। अल्लाह कहता है, **"पैगंबर अधिकि समीप (परयि) है वशिवासियों से, उनके प्राणों से और आपकी पत्नियां उनकी (वशिवासियों की) मातायें हैं..."** (कुरआन 33:6)। इस संदर्भ और शीर्षक का उपयोग करके पैगंबर मुहम्मद की पत्नियों को एक विशेष दर्जा दिया गया। उन्हें उच्च स्तर का सम्मान दिया गया और पैगंबर मुहम्मद की मृत्यु के बाद उन्हें फरि से शादी करने की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि कानूनी तौर पर उन्हें सभी मुस्लिम पुरुषों की मां माना जाता था।

खुवाय्लदि की बेटी खदीजा^[1] (जन्म 556 – मृत्यु 619 सीई)

"इमरान की बेटी मरयम (अपने समय की) महिलाओं में सबसे अच्छी थी और खदीजा (इस देश की) महिलाओं में सबसे अच्छी थी।"^[2] खदीजा पैगंबर मुहम्मद की पहली पत्नी थीं, जो पैगंबर से एक धनी व्यापारी की वधवा के रूप में मली थीं, लेकिन अपने आप में समृद्ध हो गई थीं। उन्होंने मुहम्मद को एक व्यापारिक एजेंट के रूप में काम पर रखा लेकिन जल्द ही उन्हें एक उपयुक्त पतिके रूप में देखने लगी। अधिकांश स्रोतों के अनुसार जब उन्होंने शादी की तब वह लगभग 40 वर्ष की थीं और मुहम्मद लगभग 25 वर्ष के थे। खदीजा ने छह बच्चों को जन्म दिया, जिनमें दो बेटे शामिल थे जिनकी बचपन में ही मृत्यु हो गई थी। जब मुहम्मद को पहला रहस्योद्घाटन मला तो खदीजा ने उनका समर्थन किया और उन्हें प्रोत्साहित किया और उनके प्रतिवफादार बनी रही जब मक्का के कई प्रमुख लोग पैगंबर का वरिध कर रहे थे। जब तक वह जीवित रही, मुहम्मद ने और कोई शादी नहीं की। उन्होंने जीवन भर खदीजा को प्यार किया और याद किया।

जमा की बेटी सवदाह (जन्म अज्ञात – मृत्यु 674 सीई)

पच्चीस साल की शादी के बाद पैगंबर की पहली पत्नी खदीजा का नधिन हो गया। वह एक छोटे परिवार को पालने के लिए अकेले रह गए थे और उन्होंने देखा कि वह लोगों को इस्लाम में बुलाने के लिए पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए उन्होंने फिर से शादी करने का फैसला किया। उन्होंने जमा की बेटी सवदाह नाम की एक वधवा को चुना।

सवदाह और उनके पहले पति इस्लाम में पहले धर्मांतरित होने वालों में से थे, जो एबसिनिया में आकर बस गए थे। उनके पति का निवासन में नधिन हो गया था और वह एक गरीब वधवा थी जिसके छोटे बच्चे थे। पैगंबर मुहम्मद ने सवदाह के गैर-मुस्लिम माता-पिता से उनकी शादी के लिए मंजूरी मांगी। माता-पिता ने सहमत वियक्त की और फिर उन्हें स्वयं सवदाह से अनुमति मांगने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, सवदाह और पैगंबर के घर एक हो गए और पैगंबर के पास पैगंबरी के मशिन को पूरा करने के लिए अधिक समय था। उनकी शादी के तीन साल बाद पैगंबर ने दूसरी शादी की। सवदाह को दो मौकों पर इस्लाम के लिए अप्रवासी होने का बड़ा सम्मान मिला, पहले एबसिनिया और फिर मदीना में। पैगंबर ने जनि वधवाओं से शादी की, उनमें से वह पहली थीं। सवदाह एक दयालु, परोपकारी और खुशमजाज महिला के रूप में प्रतिष्ठित थीं।

जिस समय सवदाह से पैगंबर मुहम्मद की शादी हुई थी, लगभग उसी समय अबू बकर की बेटी आयशा के साथ पैगंबर मुहम्मद की सगाई हो गई थी। कुछ साल बाद आयशा एक युवा दुल्हन के रूप में उनके घर में शामिल हो गईं और सवदाह ने उसका स्वागत किया; उन्होंने एक घनिष्ठ बंधन बनाया जो पैगंबर की मृत्यु के बाद भी अटूट रहा।

अबू बकर की बेटी आयशा (जन्म 612 – मृत्यु 678 सीई)

आयशा पैगंबर मुहम्मद के सबसे करीबी दोस्तों और समर्थकों में से एक जो अबू बकर की बेटी थीं। छोटी सी उम्र में उनसे हुई सगाई ने उस रिश्ते को और मजबूत कर दिया था। आयशा का पालन-पोषण एक मुस्लिम के रूप में हुआ था, जबकि अधिकांश करीबी सहाबा इस्लाम में परिवर्तित हुए थे। शादी के बाद वह और पैगंबर बेहद करीब हो गए और कई हदीस इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं। वह उनकी प्यारी पत्नी और इस्लाम की बेहद बुद्धिमान वदिवान थीं। उन्हें 2000 से अधिक हदीसों का वर्णन करने का श्रेय दिया जाता है और वह अपनी तेज बुद्धि, सीखने के प्रतिप्यार और त्रुटिहीन नरिणय के लिए वख्यात हो गईं। आयशा पैगंबर मुहम्मद की उन तीन पत्नियों में से एक थीं जिन्होंने पूरा कुरआन याद किया था। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में यह था कि वह एकमात्र पत्नी थीं जो पैगंबर को रहस्योद्घाटन मिलने के समय उनके साथ थीं और आयशा की बाहों में ही पैगंबर की मृत्यु हुई थी।

आयशा 18 या 19 साल की उम्र में वधवा हो गई थी और उन्होंने 40 से अधिक वर्षों तक इस्लाम के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका नभाई और पढ़ाया।

उमर इब्न अल-खत्ताब की बेटी हफ्सा (जन्म 605 – मृत्यु 665 सीई)

पैगंबर मुहम्मद की चौथी पत्नी हफ्सा थी, जो पैगंबर मुहम्मद के सबसे करीबी विश्वासपात्रों में से एक उमर इब्न अल-खत्ताब की बेटी थी। उनका विवाह एक चतुर राजनीतिक गठबंधन था। हफ्सा की शादी कम उम्र में हो गई थी और उन्होंने एबसिनिया और मदीना दोनों के प्रवास में भाग लिया था। दुख की बात है कि विवाह केवल अठारह वर्ष की उम्र में वधवा हो गई थी, लेकिन उस समय उन्हें पैगंबर मुहम्मद से शादी करने और अल-खत्ताब परिवार को पैगंबर के परिवार से जोड़ने का सम्मान मिला था। हफ्सा और आयशा पैगंबर मुहम्मद की पत्नियों में सबसे छोटे थे और दोनों का व्यक्तित्व एक समान था; वे मजबूत, दृढ़निश्चयी महिलाएं थीं। हफ्सा पढ़ने और लिखने दोनों में सक्षम थीं और आयशा की तरह ही पूरा कुरआन याद किया था। वह धर्मनिरपेक्ष और बुद्धिमान थीं और कुरआन के छंदों पर विचार करने में घंटों बर्ताती थीं। वह हफ्सा ही थीं जैसा पहले मुशफ के संरक्षक होने का बड़ा सम्मान मिला था जो उनके पति की मृत्यु के बाद उनको मिला था। हफ्सा और पैगंबर की शादी आठ साल की थी, और पैगंबर की मृत्यु के बाद वह और चौतीस साल तक जीवित रहीं।

फुटनोट:

[1] अरबी में ???? का अर्थ होता है उसकी बेटी।

[2] ???? ??-???????

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/281>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।